जब फूल ही पेड़ के लिए खतरा बन जाए

बांस के पेड़ का प्राकृतिक स्वरूप बहुत ही आश्चर्यजनक है। यह पेड़ अपने जीवनकाल में केवल एक ही बार फूल देता है और उसके बाद खुद नष्ट हो जाता है। बांस की अलग-अलग प्रजातियों में अलग-अलग अवधि के बाद फूल लगते हैं। इन पेड़ों में फूल से बीज बनने का समय और पेड़ के नष्ट होने का समय एक ही है।

बांस की एक प्रमुख प्रजाति लाठी बांस (*डेंड्रोकेलेमस स्ट्रिक्टस*) के फूल झारखण्ड राज्य के कई ज़िलों में इस समय देखे गए हैं। यहां के स्थानीय लोगों का कहना है कि इस प्रजाति के पेड़ पर ये फूल 25 वर्ष बाद आए हैं। इससे इस प्रजाति के फूल चक्र का अंदाज़ा लगाने में मदद मिलती है। इसके फूल गुच्छों में होते हैं और पूरे पेड़ पर लदे होते हैं। इन फूलों को बरसाती मौसम के बाद सितम्बर माह के पहले हफ्तों में खिलते देखा गया था। ये फूल कुछ ही हफ्तों में परिपक्व हो गए थे। दिसम्बर माह के आखिरी हफ्ते में बीजों के बिखराव की शुरुआत हुई। जनवरी माह के तीसरे हफ्ते तक बीज बांस के पेड़ के नीचे ज़मीन पर फैल गए थे। इसके बाद यह पेड़ सूखना शुरू हुआ।

बांस के फूलों के गुच्छों के कारण पर्यावरणीय आपदा भी आ सकती है। बांस के बीजों में काफी प्रोटीन पाया जाता है।

इन बीजों के बिखराव के बाद उन पर चूहे धावा बोल देते हैं, जिसके कारण वहां पर चूहों की आबादी में आश्चर्यजनक वृद्धि देखी गई। दूसरी जगहों में भी चूहों की संख्या में वृद्धि देखी गई थी। बांस के फूलने और अकाल का सम्बंध हो सकता है क्योंकि चूहों की वृद्धि इसी से सम्बंधित है। जब इन बीजों की उपलब्धता समाप्त होने लगती है तब ये चूहे दूसरी फसलों पर धावा बोल देते हैं, जिससे अकाल की स्थिति बन जाती है। इससे पहले भी कई राज्यों में इस तरह से बांस के पेड़ों और उनके बीजों के नष्ट होने की स्थिति बनी है। बीजों के नष्ट होने के कारण इस प्रजाति का भी ह्रास हो सकता है जिसे रोकने के उपाय किए जाने चाहिए। ***(स्रोत फीचर्स)***

अगले अंक में

स्रोत अक्टूबर 2012
अंक 285

- **क्या ईश्वर कण ने दर्शन दिए?**
- **मुख्य बात है कब खाएं, न कि क्या खाएं**
- **क्या उत्तर में बना रहेगा ध्रुव तारा?**
- **बैक्टीरिया: कुछ नए तथ्य**
- **चमत्कार का भांडा फूटा**